श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संरथापक- प. पू. तपरवी योगिराज, संयमवयः रथविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 17 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 दिसम्बर 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

आचार्यदेवेशश्री ने प्रदान किया बाफना परिवार को प्रतिष्ठा मुहूर्त्त

माण्डवपुर महातीर्थ में कार्तिक पूर्णिमा पर्व हर्षोल्लास से मनाया

उदयपुर, (स. सं),

राजस्थान की पुण्यवन्त धर्मधरा पर अति प्राचीन श्री माण्डवपुर महातीर्थ में प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं योगिराज, कृपासिन्धु संयमवयः स्थविर गुरुदेवश्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न प्रवचनकार, माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने साँचा श्री सुमतिनाथ जिन मन्दिर, श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार, झरड़ाजी (डोरडा) का शुभ मुहूर्त्त फाल्गुन शुक्ला 7, दिनांक 13-3-2018 का प्रदान किया।

देव दर्शन के बाद आचार्यश्री के साथ

तीर्थ परिसर में प्रवेश

आचार्यदेवेशश्री एवं साध्वीवृन्द प्रवचन सभागार की ओर जाते हुए

मुहूर्त्त लेने के लिए मन्दिर निर्माता एवं प्रतिष्ठा आयोजक श्रीमती मन्जूदेवी रमेशजी बाफना परिवार निवासी भीनमाल 250 संघ प्रतिनिधियों सहित बैण्ड-बाजे के साथ जय-जयकारों के नाद के साथ तीर्थ परिसर में पधारे और यहाँ तीर्थपति श्री

गुरुवन्दन करते हुए

आचार्यश्री मुहूर्त्त प्रदान करते हुए

महावीरस्वामीजी जिनालय, दादागुरुदेव-पुण्य-सम्राट एवं योगिराजश्री के दर्शन वन्दन करने के पश्चात् सामूहिक रूप से आचार्यदेवेशश्री से प्रतिष्ठा मुहूर्त्त प्रदान करने के लिए विनती-पत्र प्रस्तुत किया। आचार्यदेवेशश्री ने विनती-पत्र स्वीकार करते हुए मुहूर्त्त प्रदान किया तो सारा तीर्थ परिसर जय-जयकारों से गुँजायमान हो गया तथा हर्षातिरेक सभी नाचते हुए परस्पर बधाई देने लगे।

चातुर्मास लाभार्थी श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल, पादरू ने मन्दिर लाभार्थी परिवार का बहुमान किया।

आचार्यदेवेशश्री ने किया महातीर्थ से जुड़ने का आह्वान

माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा-3 एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में कार्तिक पूर्णिमा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर आचार्यदेवेशश्री की निश्रा में प्रातः 10 बजे श्री शत्रुंजय पट्ट दर्शन एवं श्री सिद्धाचल भावयात्रा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके बाद आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. ने पर्व की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सारगर्भित महत्त्व बताया तथा महातीर्थ के विकास क्रम में सभी को जुड़ने का आह्वान किया और आगामी विकास कार्यों के बारे में चर्चा की।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि धर्मसभा में एक गुरुभक्त द्वारा आगामी 12-13 जनवरी 2019 को गुरु सप्तमी पर कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की। आपने तीर्थ व्यवस्था एवं सुरक्षा के लिए भी सभी आगन्तुक गुरुभक्तों को सहयोग करने की बात कही।

मांगलिक प्रदान करते

धर्मसभा के अन्त में आचार्यदेवेशश्री ने मांगलिक प्रदान करते हुए सभी को आत्मीय आशीर्वाद प्रदान किया। चातुर्मास लाभार्थी पादरू निवासी श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल परिवार द्वारा पधारे हुए गुरुभक्तों के लिए नवकारसी रखी गई जिसका सभी ने लाभ लिया।

माण्डवपुर महातीर्थ में बैंगलोर के वर्षीतप आराधकों का दर्शनार्थ आगमन

उदयपुर, (स. सं),

अतिप्राचीन श्री माण्डवपुर महातीर्थ में श्री महावीरस्वामी वर्षीतप चेरिटेबल ट्रस्ट बैंगलोर से 160 वर्षीतप के आराधक के साथ 300 यात्रियों का आगमन दिनांक 21-11-2018 को हुआ। तीर्थाधिपति, दादा गुरुदेवश्री एवं समाधि मन्दिरों के दर्शन-वन्दन कर तीर्थ भूमि पर चातुर्मासार्थ विराजित पुण्य-सम्राट, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमणिवृन्द के दर्शन वन्दन कर सुखपृच्छा की।

गुरुवन्दन करते हुए आराधक

बियासणा करते आराधक

आचार्यदेवेशश्री ने सभी आराधकों की सुखसाता पूछते हुए आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर तीर्थ के ट्रस्टीगणों ने सभी आराधकों और अतिथियों का स्वागत किया।

चातुर्मास लाभार्थी श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल परिवार पादरू द्वारा सभी आराधकों का बहुमान किया गया।

तीर्थ परिसर में बसों से आराधक उतरते हुए

स्वर्णिम चातुर्मास परिवर्तन के साथ ही गच्छाधिपतिश्री का विहार तालनपुर

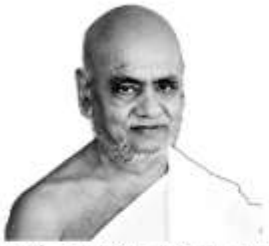

उदयपुर, (स. सं),

श्री अवन्ति पार्श्वनाथ की पावन पवित्र नगरी उज्जैन में प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेन-सूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ उज्जैन के तत्वावधान में चल रहे स्वर्णिम चातुर्मास में धार्मिक, सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम कीर्तिमान स्थापित करते हुए आयोजित किए गए।

पूज्य गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द के स्वर्णिम चातुर्मास की पूर्णाहूति पर श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ, उज्जैन द्वारा भावात्मक विदाई समारोह का आयोजन पुण्य-सम्राट प्रवचन मण्डप में किया गया। प्रातः 9 बजे से चले इस समारोह में गच्छाधिपतिश्री ने कहा कि इस चातुर्मास में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पुण्य से एवं पुण्य-सम्राट के प्रति आपकी अनन्य गुरुभक्ति से ऐतिहासिक चातुर्मास निर्विघ्न सम्पन्न हुआ है। मालवा की गुरुभक्ति बेजोड़ है। आप इसी प्रकार गुरुभक्ति करते हुए जिनशासन के कार्य करते रहें पुण्य-सम्राट का आशीर्वाद सदा साथ रहेगा। विराजित मुनिवृन्द एवं अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भी इस प्रसंग पर अपने उद्गार प्रकट किए। पू. गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. को सकल श्रीसंघ उज्जैन के द्वारा विदाई समारोह में 'धर्म दिवाकर' अलंकरण से अलंकृत किया गया। दिनांक 23-11-2018 को गच्छाधिपतिश्री व श्रमण-श्रमणिवृन्द ने स्थान परिवर्तन प्रातः 7 बजे नमकमण्डी से विशाल संख्या में पधारे गुरुभक्तों के साथ कर नयापुरा पधारे वहाँ मंगल प्रवेश कर श्री सिद्धाचल भावयात्रा का कार्यक्रम किया गया। भावयात्रा के पश्चात् सकल श्रीसंघ की नवकारसी श्री जैन ओसवाल धर्मशाला में आयोजित की गई।

गच्छाधिपति बोहरा समाज प्रमुखों को आशीर्वाद प्रदान करते

गच्छाधिपतिश्री के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने अनेक सम्प्रदायों के प्रमुख आए और परस्पर एकता की मिसाल कायम की। इसी क्रम में बोहरा सम्प्रदाय के प्रमुखों ने आकर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रीसंघ की ओर से सभी का बहुमान किया गया।

मधुर मिलन

गच्छाधिपतिश्री आदि ठाणा ने तालनपुर में आयोजित प्रतिष्ठोत्सव एवं 5 दिसम्बर 2018 को पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री का 83 वाँ जन्मोत्सव पर्व में अपनी निश्रा प्रदान करने हेतु विहार किया। उज्जैन से बड़नगर रोड़ इंगोरिया, खरसोद होते हुए बड़नगर पधारे जहाँ पर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. का भव्य प्रवेश हुआ। प्रवेश में नगर में विराजित साहित्य-मनीषी आचार्यदेवश्री रत्नसुन्दर-सूरीश्वरजी म. सा. का मधुर मिलन हुआ। प्रवेश के पश्चात् दोनों आचार्यों में परस्पर धर्म, आध्यात्म एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री विषयक चर्चा हुई। दोनों आचार्यों को श्रीसंघ द्वारा काम्बली ओढ़ाई गई। इस अवसर पर अनेक नगरों के एवं बड़नगर के गुरुभक्त उपस्थित थे।

गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यदेवश्री को काम्बली ओढ़ाते हुए

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

चातुर्मास पुर्णाहूति पर स्थान परिवर्तन

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्ती श्रमण-श्रमणिवृन्द के विभिन्न स्थानों पर चातुर्मासिक आराधनाएँ साधना एवं तप-त्याग के स्वर्णिम कीर्तिमान स्थापित कर सानन्द सम्पन्न हुई। चातुर्मास की पूर्णाहूति पर सभी श्रमण-श्रमणिवृन्द को भावभीनी विदाई दी गई तथा स्थान परिवर्तन किया गया।

पाटण (गुजरात)

पाटण नगर में श्री राजराजेन्द्र-जयन्तसेनसूरि ज्ञान मन्दिर (त्रिस्तुतिक उपाश्रय) में अध्ययन हेतु चातुर्मास कर रहे मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा. एवं श्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा-6 एवं साध्वीश्री तत्त्वलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा का चातुर्मास परिवर्तन हुआ जिसका लाभ त्रिस्तुतिक संघ पाटण की आज्ञा से राजस्थान के जालोर जिले के भूति निवासी वर्तमान में पाटण नगर में स्थित सव. श्रीमती नाजुदेवी जवानमलजी चन्द्रबालाजी परमार ने लिया। चातुर्मास परिवर्तन के अवसर पर प्रातः 6.15 बजे तांगड़िया वाड़ा जिनालय स्थित श्री सिद्धाचल पट्ट सम्मुख देववन्दन कर शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर आशीष सोसायटी में निर्मित पुण्य-सम्राट प्रवचन मण्डप पहुँची, जहाँ मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी म. सा., मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. एवं नगर में विराजित श्री सागरानन्दसूरिजी समुदाय के मुनिराजश्री ऋषभसागरजी म. सा., आचार्यभगवन्तश्री रामचन्द्रसूरिजी समुदाय के मुनिराजश्री भुवनविजयजी म. सा. के प्रवचन हुए।

दोपहर में श्री आदिनाथ पंचकल्याणक पूजा, सायं 6 बजे प्रभु मिलन संध्या भक्ति, रात्रि 8 बजे भक्ति भावना श्री धनराजजी जवानमलजी भूतिवाला के निवास स्थान पर आयोजित हुई जिसमें नगर में विराजित विभिन्न समुदायों के 95 श्रमण-श्रमणिवृन्द भी अनुकूलता से पधारे। अनेक नगरों से गुरुभक्त भी पधारे।

चैन्नई

चैन्नई के साहूकार पेठ स्थित श्री राजेन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिराजश्री संयमरत्नविजयजी म. सा. एवं मुनिश्री भुवनरत्नविजयजी म. सा. के चातुर्मास पूर्णाहूति पर भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। मुनिश्री ने कस्तूरी-प्रकरण पूर्ण करते हुए गुरु एवं श्रावक में अन्तर बताते हुए मार्मिक प्रवचन प्रदान किया। विदाई समारोह में श्री तुषार जैन, श्री कैलाश कोठारी, मंजूला जैन, प्रिया, नेहा, मोक्षा, विनोद बाफना, श्री नरेन्द्र काका आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन श्री गौतम सेठ ने किया।

चातुर्मास परिवर्तन अन्नापिल्लै स्ट्रीट स्थित श्री भगवानमलजी शंकरजी कोठारी परिवार के निवास स्थान पर किया गया।

भारतनगर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

श्री भारतनगर जैन संघ, मुम्बई द्वारा श्रुत प्रभावक मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा का चातुर्मास परिवर्तन विभिन्न कार्यक्रमों के साथ हुआ। प्रातः 6.30 बजे शत्रुंजय सत्कार भावयात्रा, 8 बजे नवकारसी, 9 बजे उपधान तपाराधकों का भव्य वरघोड़ा एवं चातुर्मास परिवर्तन किया। 10.30 बजे आराधकों का बहुमान एवं एम.एम.डी. कोर्स कार्यक्रम किया गया। कोर्स के अन्तर्गत बालकों में एकाग्रता बढ़ाने का कार्य किया गया। उपधान कोर्स कराने में आए हुए जिसके फल स्वरूप बालक आँख पर पट्टी बान्धकर पुस्तक पढ़ सकता है वैसे ही पुस्तक में रहे हुए चित्र का वर्णन कर सकता है।

चातुर्मास परिवर्तन का लाभ मातुश्री वालीदेवी छगनराजजी गाँधीमुथा परिवार, ई-2, भारतनगर, बालाराम स्ट्रीट, ग्रान्ट रोड़ (ई), मुम्बई ने लिया।

इस अवसर पर पधारे हुए गुरुभक्तों हेतु स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया।

मेघनगर (म. प्र.)

साध्वीश्री डॉ. अनेकान्तलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-6 का चातुर्मास श्रीसंघ के सहयोग से पूर्ण हुआ। दिनांक 25-11-2018 को प्रातः 8.30 बजे साध्वीश्री का प्रवचन एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। जिसमें अनेक वक्ताओं ने अपने भावसुमन शब्दों के माध्यम से प्रकट किए। प्रवचन के पश्चात् श्री राजेन्द्रसूरि ज्ञान मन्दिर से श्री वागरेचाजी के फार्म हाऊस कल्लीपुरा सकल संघ के साथ साध्वीजी ने विहार किया।

सम्पूर्ण दिवस की स्वामीभक्ति एवं वैयावच्च का लाभ श्री सौधर्मबृहत्तपागच्छीय जैन मूर्तिपूजक त्रिस्तुतिक श्रीसंघ की शुभाज्ञा से श्री शान्तिलालजी लोढ़ा (अध्यक्ष श्री त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ मेघनगर), राकेशकुमार, आदिशकुमार लोढ़ा परिवार ने लिया। इस अवसर पर गणमान्य एवं आसपास के क्षेत्रों के गुरुभक्त उपस्थित थे।

बच्चों को स्कूल बैग, फल, कपड़े वितरित

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री दर्शनकलाश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री जीवनकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में दिनांक 14-11-2018 को गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. का महापूजन राजेन्द्र भवन, जोधपुर में बड़े ही धूमधाम से पढ़ाया गया। महापूजन का लाभ श्री बी. एम. शाह परिवार, चैन्नई ने लिया।

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् जोधपुर द्वारा कच्ची बस्ती में रहने वाले पाकिस्तानी विस्थापित बच्चों को स्कूल बैग, फल एवं कपड़ों का वितरण किया गया।

दिनांक 15-11-2018 को गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. का महापूजन पढ़ाया गया जिसका लाभ श्रीमती मधुजी महेन्द्रजी मेहता परिवार सियाणा वालों ने लिया। दोनों पूजन में गुरुभक्तों ने उत्साह से लाभ लिया।

अडाजण गुरु मन्दिर में श्रेणिक तप का पारणा

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राटश्री के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी सरल स्वभावी साध्वीश्री आनन्तदृष्टाश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री मयूरकलाश्रीजी म. सा. की शिष्या साध्वीश्री गोयमनिधिश्रीजी म. सा. के श्रेणिक तप का पारणोत्सव दिनांक 19-11-2018 अडाजण गुरु मन्दिर सूरत में किया गया।

इस अवसर पर विशाल संख्या में गुरुभक्त उपस्थित थे। पारणा प्रसंग पर प्रातः सकल संघ की नवकारसी का लाभ पू. साध्वीश्रीजी के सांसारिक परिवार संघवी खेमचन्दभाई लछूभाई परिवार द्वारा लिया गया।

प्रति वर्षानुसार कार्तिक पूर्णिमा पर माता

उदयपुर (स.सं.)

श्री जयन्तसेन म्यूजियम, श्री मोहनखेड़ा तीर्थ पर प्रति वर्षानुसार कार्तिक पूर्णिमा को माता प्रातः 8 बजे से संध्या 5 बजे तक आयोजित किया गया। इस अवसर पर म्यूजियम पधारे सैकड़ों गुरुभक्तों ने लाभ लिया।

श्री राज-राजेन्द्र जैन तीर्थ दर्शन पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट, श्री मोहनखेड़ा तीर्थ द्वारा आयोजित इस माता का सम्पूर्ण लाभ श्री चेनाजी केशूरामजी पँवार परिवार, रिंगनोद ने लिया।

पंचाह्निका महोत्सव व द. महिला परिषद् सम्मेलन

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राटश्री के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री सूर्योदयाश्रीजी म. सा. के संयमपर्याय के 50वें वर्ष के उपलक्ष्य में दिनांक 6-12-2018 से 10-12-2018 तक बीजापुर में पंचाह्निका महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

इस पंचाह्निका महोत्सव के साथ ही दक्षिण प्रान्तीय अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् का सम्मेलन दिनांक 10 दिसम्बर 2018 को रखा गया है। सम्मेलन में दक्षिण प्रान्तीय महिला परिषद् की शाखाओं से विशाल संख्या में प्रतिनिधियों के पधारने की सम्भावना है।

बीजापुर श्रीसंघ द्वारा आयोजित पंचाह्निका महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ किया जायेगा।

श्री माण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री माण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

* रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक *
http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur
bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222
www.bhandavpur.com
पेढ़ी +91-7340019702-3-4

चातुर्मास पुर्णाहूति पर स्थान परिवर्तन

अलीराजपुर (म. प्र.)

मातृहृदया साध्वीश्री कोमललताश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री शासनलताश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-4 के चातुर्मास पूर्णाहूति पर स्थान परिवर्तन हुआ। प्रातः 6 बजे सामूहिक भक्तामर पाठ के पश्चात् श्री सिद्धाचलजी का देववन्दन किया गया। देववन्दन के बाद में साध्वीजी के साथ सकल श्रीसंघ मन्दिरजी से लाभार्थी परिवार के यहाँ पधारे जहाँ साध्वी भगवन्त ने प्रवचन प्रदान किया। स्थान परिवर्तन का लाभ श्री बाबूलालजी राजमलजी फैंसी परिवार, अलीराजपुर ने लिया। प्रवचन के पश्चात् नवकारसी का आयोजन किया गया।

डीसा (गुजरात)

साध्वीश्री भुवनप्रभाश्रीजी म. सा. की सुशिष्या साध्वीश्री भक्तिरसाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-2 के चातुर्मास परिवर्तन गुरु मन्दिर, नेमिनगर से प्रातः 7 बजे बाजते-गाजते डीसा के प्रमुख मार्ग से वोहेरा मोघीबेन जयन्तीलाल बादरमलभाई के निवास स्थान- पुष्पांजलि सोसायटी हाइवे पर हुआ। नवकारसी के पश्चात् शत्रुंजय पट्टदर्शन एवं प्रवचन हुआ। इस अवसर पर श्री सौधर्मबृहत्तपागच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ डीसा एवं अनेक नगरों के गुरुभक्त पधारे।

मुम्बई (महाराष्ट्र)

तपस्वीरत्ना साध्वीश्री शशिकलाश्रीजी म. सा. की सुशिष्या सरलमना साध्वीश्री अनन्तदृष्टाश्रीजी की शिष्या प्रवचनदक्ष साध्वीश्री मयूरकलाश्रीजी म. सा. की शिष्या साध्वीश्री योगनिधिश्रीजी म. सा. आदि ठाणा के चातुर्मास परिवर्तन के अवसर पर प्रातः 6 बजे गुरु मन्दिर में श्री शत्रुंजय पट्टदर्शन तथा श्री सिद्धाचलजी का सामूहिक देववन्दन किया गया। उसके बाद नूतन उपाश्रय में साध्वीजी ने कार्तिक पूर्णिमा का महत्त्व बताते हुए कहा कि 10 करोड़ मुनिवरों सहित द्राविड़ वारिखिल्लजी ने मुक्तिगमन किया था। इस दिन श्री शत्रुंजय की यात्रा अथवा भावयात्रा जो नर करता है उसे अनन्तगुणा पुण्य प्राप्त होता है।

प्रवचन के बाद सकल श्रीसंघ के साथ चातुर्मास लाभार्थी परिवार मीखीबेन पूनमचन्दभाई मणिलालभाई अदाणी के घर पर पगलिये कर बैण्ड-बाजे के साथ चातुर्मास लाभार्थी परिवार विराबेन मणिलाल बादरमलभाई बलू के घर चातुर्मास परिवर्तन किया। जहाँ आमन्त्रित अतिथियों एवं श्री थराद त्रिस्तुतिक जैन संघ की नवकारसी रखी गई।

सूरत (गुजरात)

तपस्वीरत्ना साध्वीश्री शशिकलाश्रीजी म. सा. की सुशिष्या सरलमना साध्वीश्री अनन्तदृष्टाश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री मयूरकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा के चातुर्मास परिवर्तन के प्रसंग पर बाजते-गाजते प्रभुभाई हालचन्दभाई बलू, महावीर अपार्टमेन्ट, अठवागेट पहुँचे। प्रातः 9 बजे श्री शत्रुंजय की भावयात्रा अमीधारावाड़ी, न्यू रॉदेर रोड़, अडाजण पर सकल संघ के साथ की गई उसके बाद तप का उद्यापन अडाजण गुरु मन्दिर में तप का कलश चढ़ाते हुए उद्यापन किया गया। श्री सौधर्मबृहत्तपागच्छीय त्रिस्तुतिक जैन संघ, सूरत-थराद वाला द्वारा आयोजित चातुर्मास परिवर्तन का सम्पूर्ण लाभ ची. प्रफुलभाई के श्री वर्धमान तप की 50वीं ओलीजी की पूर्णता के निमित्त बलू दिवालीबेन हालचन्दभाई मणिलाल परिवार द्वारा लिया गया। सकल संघ और पधारे गुरुभक्तों का स्वामीवात्सल्य एस. एम. सी. कम्यूनिटी हॉल, दिवाली नगर, अडाजण पर आयोजित किया गया।

मुनिराजश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा. का सियाणा में देवलोकगमन

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राटश्री के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के शिष्यरत्न तपस्वी मुनिराजश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा. का स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्हें जालोर चिकित्सालय में भर्ती किया गया जहाँ प्रारम्भिक उपचार पश्चात् 19-11-2018 को देवलोकगमन हो गया। उनकी अन्तिम यात्रा की डोल सियाणा नगर में दिनांक 20-11-2018 को निकाली गई जिसमें निकटवर्ती नगरों के सैकड़ों श्रावक-श्राविका सम्मिलित हुए। अग्नि संस्कार 3 बजे विधिविधान के साथ किया गया।

गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यदेवेशश्री के साथ ही अनेक संघों ने मुनिश्री के देवलोकगमन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। यतीन्द्र वाणी परिवार की ओर से चरणों में वन्दन सहित भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित।

सियाणा नगर में हर्षोल्लास

उदयपुर (स.सं.)

सियाणा नगर में श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि प्रतिष्ठांजनशलाका महोत्सव की जाजम हेतु प्रवासी बन्धुओं का आवागमन निरन्तर शुरू है।

दिनांक 27-11-2018 को प्रातः ओसवाल जैन धर्मशाला से पू. आचार्यश्री नरेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक एकता के पक्षधर आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द संघ सहित बैण्ड-बाजों और ढोल-ढमाके के साथ श्री सुविधिनाथ मन्दिर प्रांगण पहुँचे। जहाँ पर गुरुभगवन्तों को वन्दन कर सभा प्रारम्भ हुई।

श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी द्वारा प्रेषित विज्ञप्ति के अनुसार दोनों आचार्यों की निश्रा में दादा गुरुदेवश्री एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के चित्र पर माल्यार्पण का लाभ श्री मूलचन्दजी संघवी ने लिया। जाजम ले जाने का लाभ शाह घेवरचन्दजी गणेशमलजी सालेचा परिवार को प्राप्त हुआ। उपस्थित गुरुभक्तों ने करतल ध्वनि व जयघोष करते हुए अनुमोदना की।

चतुर्विध श्रीसंघ के साथ सियाणा नगर के प्रमुख मार्गों से गाजे-बाजे और ढोल की मधुर थाप पर नृत्य करते हुए जयन्तसेन नगर स्थित उनके निवास स्थान पर जाजम ले जाई गई। जहाँ रात्रि को भक्ति का विशेष रंगारंग कार्यक्रम किया गया। दिनांक 28-11-2018 को श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि प्रतिष्ठोत्सव की ऐतिहासिक जाजम अत्यन्त उल्लास एवं उमंग के साथ हुई।

गुरुभगवन्तों व श्रीसंघ सहित लाभार्थी परिवार जाजम ले जाते हुए

भाण्डवपुर तीर्थ में यात्रियों का आगमन

उदयपुर (स. सं.)

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ में कार्तिक पूर्णिमा के पश्चात् श्रीसंघों एवं यात्रियों का निरन्तर आगमन गतिमान है। प्रतिदिन देश के विभिन्न प्रान्तों से यात्री पधार रहे हैं और सेवा-पूजा, दर्शन-वन्दन कर रहे हैं। इसी क्रम में तीर्थ यात्रा आयोजक मेहता परिवार श्रीमती जयचन्दभाई निवासी दियोदर (गुजरात) के साथ 160 यात्रियों का आगमन तीर्थ परिसर में हुआ। प्रातः दर्शन-वन्दन-पूजा एवं अष्टप्रकारी पूजा आदि का आयोजन कर नवकारसी एवं भोजन ग्रहण कर मोकलसर हेतु प्रस्थान किया।

योगी-वाणी

संसार में पैसा अपनत्व, प्रेम एवं रिश्तों में अमिट दरार पैदा कर देता है, जिसको मिटाने के लिए कितने ही प्रयत्न किए जाएँ वे सभी निष्फल हो जाते हैं। इसके स्वार्थ में व्यक्ति अन्धा बन अनीति के कार्य कर डालता है। जो माया के जाल से बाहर हो जाता है वह संसार में सब पा जाता है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डॉंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें।

* लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। * सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित